



नामांकन जारी संत्र : 2022-2023

उषा कॉलेज ऑफ फार्मेसी

D.C ऑफिस की पीछे, बड़ा कान्डा, रायगढ़े

Regd. Under : Health Education & Family Welfare department Govt. of Jharkhand

Recognized by : Pharmacy Council of India (PCI) Govt. of India

Affiliated by : Kothan University, Chabesa, Jharkhand.

Course:
B.PHARM
(Bachelor in Pharmacy)Note : BUS &
Hostel Facility
Duration :
4Yrs.
Eligibility:
10+2 With
PCB/PCM

For more details Contact :

TATA NAGAR COLLEGE FOR MEDICAL TECHNOLOGY

Shere Punjab Chowk, Main Road, Adinapur

Cont. 9334635208, 9472786354

**सिमटेगा में उग्रवादियों
ने जेसीबी और पानी
टैंकर को जलाया**

सिमटेगा (आजाद सिपाही)।

जलटेगा थान क्षेत्र के ओडिगा
रेलवे स्टेशन के पास बुधवार देर
रात पानी सिल्वर स्ट्रिंग और पानीइंडिया (पीएलएफआई) के
उग्रवादियों ने निर्माण कार्य में लगी
जेसीबी मशीन, पोकलेन और पानीटैंकर को जलाये तो आग
लग दी। घटनास्थल पर^{उग्रवादियों} ने पर्चा छोड़ कर घटना की जिम्मेदारी ली है।

पीएलएफआई के स्टेट प्रभारी

राजेश गोपा की ओर से जारी पर्चा
में घटना को जलायी तो हुए

कहा है कि संगठन को सूचित किये बिना निर्माण कार्य किया जा रहा है, इसलिए इस घटना को अंजाम दिया गया। चेतावनी दी

गयी है कि वह संगठन से भविष्य में भी वार्ता नहीं की जायेगी। घटना का

सूचना मिलने के बाद पुलिस भौके
पर पहुंचकर गोपा की ओर से जारीगुरुवार की ओर से जारी पर्चा
में जुड़ी हुई है। बताया जाता है कि

उग्रवादियों ने लेही को लेकर इस

घटना को अंजाम दिया है।

सिंह मेंशन और रघुकुल समर्थकों के बीच खूनी जंग

झरिया में एक की मौत और दर्जन भर घायल

- गोलियों और बमों के धमाके से थर्टीया इलाका, दहशत, पुलिस तैनात

आजाद सिपाही संवाददाता

धनसार/झरिया। चिरप्रतिक्कुदी सिंह मेंशन और रघुकुल समर्थकों के बीच जारी हिंसक खूनी झड़प का सिलसिला थमने का नाम नहीं ले रहा। पिछले दिनों घटात तिसरा गोलीकाढ़ मामले की अंच अभी धीमी भी नहीं हुई थी कि कुछ बुझ्या, पट्टी में दोनों घरानों के समर्थकों के बीच फिर खूनी हिंसक झड़प हो गयी। गोलियों और बमों के धमाके से पूरा इलाका दहल उठा। दोनों ओर से जमकर पथरवाजी हुई और तलवार चले। इसमें एक व्यक्ति की मौत हो गयी, जबकि एक दर्जन लोग गंभीर रूप से घायल हो गये। घटना की सूचना पर पहुंची भाजा नेत्री रागिनी रिंग और मृतक निरंजन कुमार तारी (झरिया)।



घटनास्थल पर पहुंची भाजा नेत्री रागिनी रिंग और मृतक निरंजन कुमार तारी (झरिया)।

दोनों पक्षों की ओर से दिया गया आवेदन

रघुकुल समर्थक रामबाबू धिक्कार की बड़न रेखा देवी ने पुलिस को दिये आवेदन में कहा कि लाग सुबक के साथ नींबू बजे धर के समीप बैठे थे। तभी अचानक से घटनाकां यात्रा, विजय भूद्या, अजय भूद्या, राजेश भूद्या, विक्की भूद्या, बद्री भूद्या, गंडा भूद्या, सोरव भूद्या, अमन सिंह, विक्की डांडा, विरेजन तारी, गाँड़ असारी सहित कई अन्य लाग हिंसक रास्ते से लैस होकर जाए और भूतिजे सुमित धिक्कार के साथ मारपीट करने लगे। भूतिजे की बीचने की अवाज निरंजन हो रही थी। गोली और बम चलने, तभी पुलिस घटनास्थल पर झाकने तक नहीं गयी। यह इसलिए, क्वोटीजे जो लाग घटना को अंजाम दें रहे, वे कांपें पर जुड़े हुए थे। सिंदरी शीसपी पूरी तरह घायल हो गये। उनक इलाज घटना के लिए पहुंची, तो उनको ने हम पर भी डब्लू किया। इससे मेरा सर पर गया है। साथ ही रामबाबू धिक्कार, पिता तीसरा धिक्कार, भाई श्याम बाबू धिक्कार भी दुरी तरह घायल हो गये। उनक इलाज घटनाकां के एक नर्सिंग होम में चल रहा है। मेरे भूतिजे सुमित की रिप्टिं नायुक बनी हुई है और वह इलाजरारा है। वही भूतिजे समर्थक भूद्या पट्टी निवासी सर्जन कुमार सोरव ने भी झरिया पुलिस को समर्थक भूद्या पट्टी निवासी सर्जन कुमार सोरव धिक्कार आदि मेरे मोहल्ला में आकर बुरी नीति से रेखा देवी, डोलती देवी को सीधे धर कर अपने धर की ओर ले जाने लगे, तभी दोनों महिलाओं की आवाज सुनकर हम और मोहल्ला के लोग मिलकर उन दोनों महिलाओं को छुड़ाने के लिए उसके धर के पास गये। उन लोगों ने तलवार, पिस्टल, बम लेकर हम लोगों पर डब्लू कर दिया। रामबाबू धिक्कार ने निरंजन तारी पर तलवार से हमला कर दुरी तरह जख्मी कर दिया। श्याम बाबू धिक्कार ने मेरे ऊपर तलवार से हमला कर दिया। घटना का कारण धरनेय यादव

और इलाके के दौरान हुई। घटना के बाद इलाके के बाद भाजा का माहौल है। करारास मोड़ स्थित भाजा और कांग्रेस विधायक कार्यालय पर दोनों ओर के समर्थकों के भारी संख्या में जुटान होता रहा। दोनों घरानों के समर्थकों की भूद्या जुटान देवी और हाथों में तब्दील कर दिया है।

घटना का कारण धरनेय यादव

और रामबाबू धिक्कार के बीच पुरुनी रेंजिंग और गुलगुलिया पट्टी लगाने की अपेन-अपेन पाले में लाग बताया जा रहा है। कहा जा रहा है कि इससे पूर्व भी दोनों के बीच कई बार झड़प हो चुकी है। उधर, गुलगुलिया पट्टी में घटित घटना के बाद भूद्या एक गुर के दर्जनों से सांसाकार पुलिस ने पूरे क्षेत्र को छुड़ाने में बुरजारी की ओर से जारी कर दिया।

कुमार द्वारा केस मैनेज करने के नाम पर 50 लाख रिशवत लेने के बाद भूतिजे की जांच आदालत ने सीबीआई को दिल्ली बांच ने अमित अग्रवाल के खिलाफ मामला दर्ज किया है। केस दर्ज करने के बाद सिंह को आवाज कार्यालय पर दोनों ओर के समर्थकों के भारी संख्या में जुटान होता रहा। दोनों घरानों के समर्थकों की भूद्या जुटान देवी और हाथों में तब्दील कर दिया है। उधर, गुलगुलिया पट्टी में घटित घटना से सांसाकार पुलिस ने धरने वालों को छुड़ाने के बाद भाजा की सदस्यता लेना है। पूरे गुलगुलिया पट्टी में रघुकुल समर्थक भूद्या में रुजर वर्षा के बीच घटना को छुड़ाने के लिए इसके साथ भूतिजे की ओर से जारी कर दिया है।

घटना के बाद भूतिजे की जांच आदालत ने दर्जनों लोग सिंह के साथ भाजा की जांच में जुटान होती है।

घटना के बाद भूतिजे की जांच आदालत ने दर्जनों लोगों को छुड़ाने के बाद भूतिजे की जांच में जुटान होती है।

घटना के बाद भूतिजे की जांच आदालत ने दर्जनों लोगों को छुड़ाने के बाद भूतिजे की जांच में जुटान होती है।

घटना के बाद भूतिजे की जांच आदालत ने दर्जनों लोगों को छुड़ाने के बाद भूतिजे की जांच में जुटान होती है।

घटना के बाद भूतिजे की जांच आदालत ने दर्जनों लोगों को छुड़ाने के बाद भूतिजे की जांच में जुटान होती है।

घटना के बाद भूतिजे की जांच आदालत ने दर्जनों लोगों को छुड़ाने के बाद भूतिजे की जांच में जुटान होती है।

घटना के बाद भूतिजे की जांच आदालत ने दर्जनों लोगों को छुड़ाने के बाद भूतिजे की जांच में जुटान होती है।

घटना के बाद भूतिजे की जांच आदालत ने दर्जनों लोगों को छुड़ाने के बाद भूतिजे की जांच में जुटान होती है।

घटना के बाद भूतिजे की जांच आदालत ने दर्जनों लोगों को छुड़ाने के बाद भूतिजे की जांच में जुटान होती है।

घटना के बाद भूतिजे की जांच आदालत ने दर्जनों लोगों को छुड़ाने के बाद भूतिजे की जांच में जुटान होती है।

घटना के बाद भूतिजे की जांच आदालत ने दर्जनों लोगों को छुड़ाने के बाद भूतिजे की जांच में जुटान होती है।

घटना के बाद भूतिजे की जांच आदालत ने दर्जनों लोगों को छुड़ाने के बाद भूतिजे की जांच में जुटान होती है।

घटना के बाद भूतिजे की जांच आदालत ने दर्जनों लोगों को छुड़ाने के बाद भूतिजे की जांच में जुटान होती है।

घटना के बाद भूतिजे की जांच आदालत ने दर्जनों लोगों को छुड़ाने के बाद भूतिजे की जांच में जुटान होती है।

घटना के बाद भूतिजे की जांच आदालत ने दर्जनों लोगों को छुड़ाने के बाद भूतिजे की जांच में जुटान होती है।

घटना के बाद भूतिजे की जांच आदालत

संपादकीय

बातचीत होनी चाहिए

पा किस्तान के प्रधानमंत्री शहबाज शरीफ ने जिस तरह से दुर्बुद्ध के एक न्यूज चैनल को दिए इंटरव्यू में भारत के साथ गंभीर और ईमानदार बातचीत की इच्छा जाहिर की है, वह गौर करने लायक है। बता दें कि पाकिस्तान एक ओर गंभीर अर्थिक संकट से घिरा है, तो दूसरी ओर ताहरीक-ए-तालिबान पाकिस्तान (टीटीपी) की ओर से किये जा रहे आतंकी हमलों से भी परेशन है। अपकान तालिबान की ओर से डूर्डू लाइन पर बढ़ाया जा रहा दबाव उसके लिए एक और सिरदर्द है। पाकिस्तान इन बजहों से मजबूर होकर भारत से यह शांति प्रस्ताव कर रहा है और भारत को इसे अनदेखा कर देना चाहिए। मजबूरी की बात सही है, लेकिन गौर करें तो पाकिस्तानी प्रधानमंत्री की इस पहल के साथ कई ऐसी बातें हैं, जो बाज़ी वज्र से इसे सामान्य बयान मानना ठीक नहीं होगा। हालांकि इसके बाद खुद उनके पीएमओ ने एक स्पष्टीकरण जारी करके बयान को खारिज करने की काशिश की, जिससे उसको गंभीरता को लेकर सवाल उठे हैं, लेकिन फिर भी पाक पीएम का यह कहना कोई छोटी बात नहीं है कि भारत के साथ तीन युद्धों से पाकिस्तान ने सबक सीखा है। दूसरी बात यह कि कशीर मुद्दे का ज़िक्र करने और उस पर अपनी शिकायतें गिनाने के बाबजूद उन्होंने यह नहीं कहा कि भारत को अब क्या करना चाहिए।

भारत की लद्दाख में पीन के साथ लगती वास्तविक नियंत्रण रेखा (एलएसी) पर पहले से यतीरोध बना हुआ है। कई राउंड की बातचीत के बाद भी वहां तनाव कम होने के आसान नहीं दिखायी दे रहे हैं। ऐसे में एक साथ दो मार्गों पर तनाव भारत के लिए कोई अच्छी स्थिति नहीं है।

राज्य का दर्जा देने पर ही रहा है। वहां तक कि परदे के पीछे की इस बातचीत में कशीर मसले को 20 साल के लिए फ्रीज कर देने पर भी सहमति बन गयी है। तीसरी बात यह ध्यान रखने की है कि शरीफ ने एक तीसरे देश वाली यूड़ को शामिल करने हुए थे वारें कही हैं, जो न केवल उसकी अर्थिक मदद करता रहा है, बल्कि जिसके साथ भारत के भी करिबी रिश्ते हैं। चौथी और आखिरी बात यह कि पाकिस्तानी प्रधानमंत्री की रिश्ते सुधारने की यह पेशकश ऐसे समय आयी है, जब भारत में चीन के साथ लगती वास्तविक नियंत्रण रेखा (एलएसी) पर पहले से यतीरोध बना हुआ है। कई राउंड की बातचीत के बाद भी वहां तनाव कम होने के आसान नहीं दिखायी दे रहे हैं ऐसे में एक साथ दो मार्गों पर तनाव भारत के लिए कोई अच्छी स्थिति नहीं है। बेशक, पाकिस्तानी पीएम के बयान की गंभीरता को लेकर सवाल बने हुए हैं। लेकिन अगर वह अपने रुख पर काम रहते हैं और आंतरिक यतीरोधाभासों को साध लेते हैं, तो भारत के लिए भी इस मौके को जया होने देना उचित नहीं होगा।

अभिमत आजाद सिपाही

एक अंतर्राष्ट्रीय सर्वे के मुताबिक फिनलैंड, शिक्षा की गुणवत्ता के मामले में पहले स्थान पर आता है। यहां का एजुकेशन सिस्टम बाकी देशों की तुलना में एकदम अलग है। यहां दुनिया के सबसे बेहतरीन स्कूल हैं। दरअसल फिनलैंड एक बहुत छोटा-सा मुल्क है, जिसने पिछले 50 सालों में फ्राइमरी शिक्षा के क्षेत्र में दुनिया में एक स्पष्टीकरण जारी करके बयान को खारिज करने की काशिश की, जिससे उसको गंभीरता को लेकर सवाल उठे हैं, लेकिन फिर भी पाक पीएम का यह कहना कोई छोटी बात नहीं है कि भारत के साथ तीन युद्धों से पाकिस्तान ने सबक सीखा है। दूसरी बात यह कि कशीर मुद्दे का ज़िक्र करने और उस पर अपनी शिकायतें गिनाने के बाबजूद उन्होंने यह नहीं कहा कि भारत को अब क्या करना चाहिए।

कैसी है फिनलैंड की स्कूल शिक्षा प्रणाली

डॉ वरिद्र भाटिया

स्कूल शिक्षा से जुड़ी एक बड़ी खबर चर्चा में है। दिल्ली सरकार अपने टीचरों को फिनलैंड की स्कूल शिक्षा व्यवस्था को समझने के लिए वहां भेजना चाहती है इस कारण देश के लोगों में फिनलैंड की शिक्षाप्रणाली की खासियत को लेकर जानने की उत्सुकता बढ़ गयी है आखिरकार फिनलैंड का एजुकेशन सिस्टम कैसा है? इससे हमारे देश की शिक्षा व्यवस्था क्या कुछ सीख सकती है, इसके मूल विशेषण की जरूरत है।

एक अंतर्राष्ट्रीय सर्वे के मुताबिक फिनलैंड, शिक्षा की गुणवत्ता के मामले में पहले स्थान पर आता है। यहां का एजुकेशन सिस्टम बाकी देशों की तुलना में एकदम अलग है। यहां दुनिया के सबसे बेहतरीन स्कूल हैं। दरअसल फिनलैंड एक बहुत छोटा-सा मुल्क है जिसने पिछले 50 सालों में प्राइमरी शिक्षा के क्षेत्र में दुनिया में एक बड़ी उपलब्धि हासिल की है।

फिनलैंड एक ऐसा मुल्क है, जिसने अपने छात्रों के लिए

क्रमाल की बात है कि मुल्क के 99 फीसदी बच्चे सरकारी स्कूलों में पढ़ते हैं।

16 साल तक शिक्षा सी 16 साल तक शिक्षा सी फीसदी मुफ्त कर दी है। अगर आप छात्र हैं, तो इस मुल्क में पैसों की तरीगी आपकी शिक्षा में रुकावट नहीं बन सकती। यहां बच्चों पर सुबह जबरदस्ती स्कूल जाने का दबाव नहीं होता है, बल्कि वो अपनी मर्जी से खुशी-खुशी स्कूल जाते हैं।

दूसरी बड़ी बात यह है कि यहां स्कूलों में कोई इमितान हनीं लिया जाता है।

दूसरी बड़ी बात यह है कि यहां स्कूलों में एक एसेंट्रिंग करने के लिए भारत के बाद भी वहां तनाव कम होने के आसान नहीं दिखायी दे रहे हैं। ऐसे में एक साथ दो मार्गों पर तनाव भारत के लिए कोई अच्छी स्थिति नहीं है। बेशक, पाकिस्तानी पीएम के बयान की गंभीरता को लेकर सवाल बने हुए हैं। लेकिन अगर वह अपने रुख पर काम रहते हैं और आंतरिक यतीरोधाभासों को साध लेते हैं, तो भारत के लिए भी इस मौके को जया होने देना उचित नहीं होगा।



फिनलैंड की एजुकेशन पॉलिसी का सबसे महत्वपूर्ण फोकस व्यालिटी, एफिशिएंसी और इंटरनेशनलाइजेशन पर है। क्या फिनलैंड की स्कूल शिक्षा व्यवस्था को लेकर ऊपर बतायी गयी किन बातों को देख में अपनाये जाने की जरूरत है, इसका जवाब नकारात्मक नहीं लग रहा है।

पहले किसी भी तरह का कोई इमितान हनीं देना पड़ता है। सिर्फ एक स्टैंडर्ड देश व्यापी इमितान होता है, जो 16 साल की उम्र में स्कूल पास करने के बाद ही लिया जाता है। फिनलैंड में शिक्षा में असमानता देखने को नहीं मिलती। यहां के गांव और शहरों की शिक्षा व्यवस्था एक जैसी होती है। फिनलैंड में प्राइमरी शिक्षा प्राइवेट स्कूलों और सरकारी स्कूलों दोनों में एक सामान ही है। क्यामाल की बात है कि मुल्क के 99 फीसदी बच्चे सरकारी स्कूलों में पढ़ते हैं। दूसरी तरफ कोई प्राइवेट द्यूशून इंडस्ट्री भी नहीं है, बच्चोंके छात्रों को इसकी जरूरत ही नहीं है।

द्यूशून की बायां 30 फीसदी छात्रों को नौवीं क्लास तक टीचरों के द्वारा अलग से पढ़ाई में मदद दी

जाती है। यहां सरकार की तरफ से स्कूलों को निर्देश है कि वो अपने स्कूल के हर छात्र की तालीम पर ध्यान दें, बजाय इसके कि सिर्फ चंद टॉपर छात्र पैदा करके स्कूल शिक्षा की मार्कीटिंग करें। शिक्षक किसी भी शिक्षा व्यवस्था की सबसे अहम कड़ी होते हैं। इसीलिए फिनलैंड में टीचर बनना सबसे सम्मानित प्रोफेशन माना जाता है। यहां लोग डाक्टर या इंजीनियर नहीं, बल्कि टीचर बनना सबसे शान की बात मान्दा जाती है। इसमें शिक्षकों के लिए मास्टर डिग्री होना अनिवार्य है। सभी शिक्षकों के लिए मास्टर डिग्री होना अनिवार्य है। सिर्फ 10 प्रतिशत लोगों को शिक्षक के तौर पर चुना जाता है, जो टॉप पैन्यूट रहे हैं। वहां टीचर एक दिन में सिर्फ 4 घंटे के एक क्लास में पढ़ाते हैं।

यहां टीचरों के पास दिन में इतना समय होता है कि वो अपस में मिल बैठकर सिलेबस से जुड़ी बातों पर नवीं रणनीति तैयार कर सकें। शिक्षकों को सिलेबस का केवल एक मोटा-मोटा खाका ही दिया जाता है और शिक्षक अपने हिसाब से ही तय करते हैं कि वह छात्रों को किस ढंगे से पढ़ायें।

फिनलैंड में बच्चों को कभी होमवर्क नहीं दिया जाता है। यहां बच्चों को उनके हिसाब से पढ़ने को छोट है। यहां गरीब बच्चों से कोई फीस नहीं ली जाती है और स्कूल से जुड़ी सारी समझी उन्हें मुफ्त जाती है।

फिनलैंड में बच्चों को अपने बचपन का आनंद लेने और स्कूलों में अत्यधिक समझ बिताने की बजाय अपने परिवार के साथ सीखने की शुरुआत करने का मौका मिलता है। फिनिश शिक्षक हर दिन केवल 4 घंटे कक्षा में पढ़ाते हैं जबकि वे प्रोफेशनल विकास के लिए हर सप्ताह 2 घंटे समर्पित करते हैं। फिनलैंड में स्कूल सिस्टम पूरी तरह से 100 प्रतिशत स्टैंड-फॅल्ड है। टॉप 10 पर्सेंटाइल के बीचकर वेतन के लिए अपनी खुद की फ्रेंडिंग सिस्टम तैयार करते हैं।

फिनलैंड की एजुकेशन पॉलिसी का सबसे महत्वपूर्ण फोकस व्यालिटी, एफिशिएंसी और इंटरनेशनलाइजेशन पर है। क्या फिनलैंड की स्कूल शिक्षा व्यवस्था को लेकर बतायी गयी किन बातों को देखने में अपनाये जाने की जरूरत है, इसका जवाब नकारात्मक नहीं लग रहा है। क्या फिनलैंड की स्कूल शिक्षा व्यवस्था को लेकर बतायी गयी किन बातों की जांच होती है, इसमें एक अंतरिक्ष विद्यालय देखने में अपनाये जाने की जरूरत है, इसका जवाब नकारात्मक नहीं लग रहा है। इसमें एक अंतरिक्ष विद्यालय का बाबत यह कि यहां लोग डाक्टर य

गढ़वा

महत्वपूर्ण न्यूज़

भंडरिया प्रखंड में गणतंत्र दिवस पर झंडोतोलन का समय निर्धारित



भंडरिया (आजाद सिपाही) | प्रखंड कार्यालय के सभागार में 26 जनवरी के झंडोतोलन को लेकर बैठक की गयी। बैठक में झंडोतोलन के समय का निर्धारण किया गया है। सबसे पहले प्रखंड कार्यालय में 10:00 बजे, पशुपालन विद्यालय में 10:15, दूरसंचार 10:20, राजकीय उच्च विद्यालय 10:35, कस्तूरबा गांधी 10:40, इंदिरा चौक 10:45, थाना परिसर में 10:50, पंजाब बैंक 10:55, तसील भवन 11:00, समुदायिक स्वास्थ्य केंद्र 11:05, मिशन बालिका 11:20, राजकीय मध्य विद्यालय 11:25, बीआरसी कार्यालय 11:30 करते का समय निर्धारित किया गया है। बैठक में बीड़ीओं विपिन कुमार, भारती, सांसद प्रतिनिधि रूप निरंजन सिंह, वालुदीन अंसरी, पंचायत सेवक, रोजगार सेवक, मुखिया, पंचायत समिति सदस्य सहित काफी संख्या में लोग शामिल थे।

मझांव में झंडोतोलन को लेकर बीड़ीओं ने की बैठक

मझांव (आजाद सिपाही) | गणतंत्र दिवस के अवसर पर झंडोतोलन हेतु प्रखंड कार्यालय सभागार में बैठक की गई। बैठक की दौरान बीड़ीओं ने कि सरकारी-गैर सरकारी संस्थाओं में निर्धारित समयानुसारी झंडोतोलन को समय सुनिश्चित करें। प्रखंड सह अंचल कार्यालय मझांव में 8:45 बजे, थाना परिसर 9:00, पशु चिकित्सालय 9:30, कस्तूरबा विद्यालय 9:45, नगर पंचायत कार्यालय 10:15, सभी पंचायत भवन 10:20, प्रगतीशील युविन कार्यालय 10:25, भारतीय किसान संघ 10:30, शिवेसर चंद्रवंशी महाविद्यालय 10:35, चैबर ऑफ कॉमर्स 10:40, दूरसंचार कार्यालय 10:45 बजे सहित सभी स्थानों में सर्वसमिति से झंडोतोलन हेतु निर्णय लिया गया है। बैठक में नगर पंचायत कार्यालयका पदाधिकारी सुभी निकिता वाला, रेफरल प्रधान पदाधिकारी डॉक्टर गोविंद प्रसाद सेठ, राजस्व कर्मचारी शैलेश महतो, प्रखंड सह अंचल कर्मी एवं क्षेत्र के जनप्रतिनिधि उपस्थित थे।

विशुनपुरा प्रखंड में झंडोतोलन का समय निर्धारित

विशुनपुरा (आजाद सिपाही) | प्रखंड कार्यालय के सभागार में गुरुवार को गणतंत्र दिवस की तैयारी को लेकर सीओ निधि रजधार की अध्यक्षता में बैठक की गयी। बैठक में उपस्थित विभागीय पदाधिकारियों एवं गणतंत्र दिवस पर कार्यक्रमों का आयोजन एवं झंडोतोलन का समय सारणी को लेकर चर्चा की गयी। जिसमें प्रखंड कार्यालय विशुनपुरा 8:45 बजे, झारखंड ग्रामीण बैंक 9:15, मध्य विद्यालय 9:30, बीआरसी विशुनपुरा 9:45, सभी पंचायत भवन पर 10:00 बजे एवं सभी सरकारी वैर सरकारी विद्यालय में 10:00 बजे झंडोतोलन करने का समय निर्धारित किया गया। मैक पर प्रखंड नाजिर मुकुल कुमार, पीपामवाई कोर्डिनेटर नांगेंद्र कुमार, विशुनपुरा वैक शाखा प्रबंधक अंचल कुमार दुबे, बीड़ीओं रामेश कुमार रजक, मुखिया ललित नारायण सिंह, प्रमुख पंथि चंद्रेन महतो, विशुनपुरा मुखिया पंथि प्रवीन कुमार, भुनेश्वर राम, राज कुमार सहित कई लोग उपस्थित थे।

रंका अनुमंडल में सरकारी-निजी कार्यालयों एवं प्रतिष्ठानों में झंडोतोलन का समय निर्धारित

रंका (आजाद सिपाही) | गणतंत्र दिवस 2023 के अवसर पर झंडोतोलन को लेकर रंका अनुमंडल कार्यालय प्रकोप में बुधवार को अनुमंडल पदाधिकारी राम नारायण सिंह की अध्यक्षता में बैठक की गयी। जिसमें सरकारी एवं निजी कार्यालयों एवं प्रतिष्ठानों में झंडोतोलन का समय निर्धारित किया गया। जिसमें अनुमंडल पदाधिकारी का आवासीय कार्यालय में 8:30 बजे, अनुमंडल पुलिस पदाधिकारी आवासीय कार्यालय में 8:45, अनुमंडल सरकारी विद्यालय केंद्र में 9:15, एसोसिएशन 9:05, सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र में 9:30, कस्तूरबा गांधी आवासीय बालिका विद्यालय में 9:30, राजमाता गुंजेश्वरी देवी महाविद्यालय में 9:35, बीआरसी रंका में 9:40, फेलत सिंह चैक पर 9:45, पुलिस इंस्पेक्टर कार्यालय 9:50, रंका थाना 9:55, रंका पंचायत भवन 10:00, बनांचल ग्रामीण बैंक 10:5, भारतीय रेटेंट बैंक में 10:10, जेठन सिंह चैक 10:15, विशुन कार्यालय 10:20, रंका प्रखंड कार्यालय 10:35, ऐसे के इन्टरेनेशनल स्कूल में 10:45 बजे झंडोतोलन का समय निर्धारित किया गया है। इस अवसर पर रंका बीड़ीओं देवानंद राम, सीओ शंभू राम, आपामवाई रामेश्वर उपाध्याय, भारतीय रेटेंट बैंक के शाखा प्रबंधक बुद्धेव उरांव, बीड़ीओं रामेश्वर धीर कुमार, गुरुवारी धीर कुमार रजक, शिक्षक कुलदीप ताकुर, कस्तूरबा गांधी आवासीय विद्यालय के प्रभारी वार्डन शाइका परवीन, सीआरपी संजय प्रसाद, प्रखंड साक्षरता सम्बन्धक रोकेश कुमार पांडेय, अधिकारी संघ अंचल अध्यक्ष रेती रमन सिंह, राजमाता गुंजेश्वरी देवी महाविद्यालय के प्राचार्य भरत लाल चौधरी, एस्के इंटरेनेशनल स्कूल के प्राचार्य नंदन कुमार तिवारी, अध्यक्ष आलोक कुमार पांडेय, आरके प्लास टू उच्च विद्यालय के प्रधानाध्यापक कृतिवास महतो, परियोजना कन्व्या उच्च विद्यालय के प्रधानाध्यापक सुधीर कुमार रजक, सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र के प्रभारी चिकित्सा पदाधिकारी डॉ गोपाल प्रसाद, अनुमंडल प्रधान सहायक रोकेश कुमार पांडेय, अधिकारी संघ के अनुमंडल अध्यक्ष रेती रमन सिंह, राजमाता गुंजेश्वरी देवी महाविद्यालय के प्राचार्य भरत लाल चौधरी, एस्के इंटरेनेशनल स्कूल के प्राचार्य नंदन कुमार तिवारी, अध्यक्ष आलोक कुमार पांडेय, आरके प्लास टू उच्च विद्यालय के प्रधानाध्यापक कृतिवास महतो, परियोजना कन्व्या उच्च विद्यालय के प्रधानाध्यापक सुधीर कुमार रजक, सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र के प्रभारी चिकित्सा पदाधिकारी डॉ गोपाल प्रसाद, अनुमंडल प्रधान सहायक रोकेश कुमार पांडेय, अधिकारी संघ के अनुमंडल अध्यक्ष रेती रमन सिंह, राजमाता गुंजेश्वरी देवी महाविद्यालय के प्राचार्य भरत लाल चौधरी, एस्के इंटरेनेशनल स्कूल के प्राचार्य नंदन कुमार तिवारी, अध्यक्ष आलोक कुमार पांडेय, आरके प्लास टू उच्च विद्यालय के प्रधानाध्यापक कृतिवास महतो, परियोजना कन्व्या उच्च विद्यालय के प्रधानाध्यापक सुधीर कुमार रजक, सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र के प्रभारी चिकित्सा पदाधिकारी डॉ गोपाल प्रसाद, अनुमंडल प्रधान सहायक रोकेश कुमार पांडेय, अधिकारी संघ के अनुमंडल अध्यक्ष रेती रमन सिंह, राजमाता गुंजेश्वरी देवी महाविद्यालय के प्राचार्य भरत लाल चौधरी, एस्के इंटरेनेशनल स्कूल के प्राचार्य नंदन कुमार तिवारी, अध्यक्ष आलोक कुमार पांडेय, आरके प्लास टू उच्च विद्यालय के प्रधानाध्यापक कृतिवास महतो, परियोजना कन्व्या उच्च विद्यालय के प्रधानाध्यापक सुधीर कुमार रजक, सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र के प्रभारी चिकित्सा पदाधिकारी डॉ गोपाल प्रसाद, अनुमंडल प्रधान सहायक रोकेश कुमार पांडेय, अधिकारी संघ के अनुमंडल अध्यक्ष रेती रमन सिंह, राजमाता गुंजेश्वरी देवी महाविद्यालय के प्राचार्य भरत लाल चौधरी, एस्के इंटरेनेशनल स्कूल के प्राचार्य नंदन कुमार तिवारी, अध्यक्ष आलोक कुमार पांडेय, आरके प्लास टू उच्च विद्यालय के प्रधानाध्यापक कृतिवास महतो, परियोजना कन्व्या उच्च विद्यालय के प्रधानाध्यापक सुधीर कुमार रजक, सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र के प्रभारी चिकित्सा पदाधिकारी डॉ गोपाल प्रसाद, अनुमंडल प्रधान सहायक रोकेश कुमार पांडेय, अधिकारी संघ के अनुमंडल अध्यक्ष रेती रमन सिंह, राजमाता गुंजेश्वरी देवी महाविद्यालय के प्राचार्य भरत लाल चौधरी, एस्के इंटरेनेशनल स्कूल के प्राचार्य नंदन कुमार तिवारी, अध्यक्ष आलोक कुमार पांडेय, आरके प्लास टू उच्च विद्यालय के प्रधानाध्यापक कृतिवास महतो, परियोजना कन्व्या उच्च विद्यालय के प्रधानाध्यापक सुधीर कुमार रजक, सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र के प्रभारी चिकित्सा पदाधिकारी डॉ गोपाल प्रसाद, अनुमंडल प्रधान सहायक रोकेश कुमार पांडेय, अधिकारी संघ के अनुमंडल अध्यक्ष रेती रमन सिंह, राजमाता गुंजेश्वरी देवी महाविद्यालय के प्राचार्य भरत लाल चौधरी, एस्के इंटरेनेशनल स्कूल के प्राचार्य नंदन कुमार तिवारी, अध्यक्ष आलोक कुमार पांडेय, आरके प्लास टू उच्च विद्यालय के प्रधानाध्यापक कृतिवास महतो, परियोजना कन्व्या उच्च विद्यालय के प्रधानाध्यापक सुधीर कुमार रजक, सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र के प्रभारी चिकित्सा पदाधिकारी डॉ गोपाल प्रसाद, अनुमंडल प्रधान सहायक रोकेश कुमार पांडेय, अधिकारी संघ के अनुमंडल अध्यक्ष रेती रमन सिंह, राजमाता गुंजेश्वरी देवी महाविद्यालय के प्राचार्य भरत लाल चौधरी, एस्के इंटरेनेशनल स्कूल के प्राचार्य नंदन कुमार तिवारी, अध्यक्ष आलोक कुमार पांडेय, आरके प्लास टू उच्च विद्यालय के प्रधानाध्यापक कृतिवास महतो, परियोजना कन्व्या उच्च विद्यालय के प्रधानाध्यापक सुधीर कुमार रजक, सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र के प्रभारी चिकित्सा पदाधिकारी डॉ गोपाल प्रसाद, अनुमंडल प्रधान सहायक रोकेश कुमार पांडेय, अधिकारी संघ के अनुमंडल अध्यक्ष रेती रमन सिंह, राजमाता गुंजेश्वरी देवी महाविद्यालय के प्राचार्य भरत लाल चौधरी, एस्के इंटरेनेशनल स्कूल के प्राचार्य नंदन कुमार तिवारी, अध्यक्ष आलोक कुमार पांडेय, आरके प्लास टू उच्च विद्यालय के प्रधानाध्यापक कृतिवास महतो, परियोजना कन्व्या उच्च विद्यालय के प्रधानाध्यापक सुधीर कुमार रजक, सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र के प्रभारी चिकित्सा पदाधिकारी डॉ गोपाल प्रसाद, अनुमंडल प्रधान सहायक रोकेश कुमार पांडेय, अधिकारी संघ के अनुमंडल अध्यक्ष रेती रमन सिंह, राजमाता गुंजेश्वरी देवी महाविद्यालय के प्राचार्य भरत लाल चौधरी, एस्के इंटरेनेशनल स्कूल के प्राचार्य नंदन कुमार तिवारी, अध्यक्ष आलोक कुमार पांडेय, आरके प्लास टू उच्च विद्यालय के प्रधानाध्यापक कृतिवास महतो, परियोजना कन्व्या उच्च विद्यालय के प्रधानाध्यापक सुधीर कुमार रजक, सामुद

